IJARSCT

ISSN (Online) 2581-9429

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)

Impact Factor: 4.819

Volume 10, Issue 1, October 2019

Hkkjr e ernku 0;ogkj d fu/kkfjr rRok e fyx o u'tkrh;rk dh Hkfedk

(Role of Gender and Ethnicity in voting Behaviour in India)

M, tkon v[rj

प्रभारी, सहायक प्रोफेसरए राजनीति विज्ञान विभाग

राजकीय पीजी कॉलेज, छर्रा, अलीगढ़

javed8466@gmail.com

भारत में मतदान व्यवहार के औचित्य के निर्धारक अध्ययन में राजनीतिक शास्त्री समाजशास्त्रीय मानवविज्ञानी, मीडियाकर्मी व राजनीतिक दलों के अभिजन इस अध्ययन में लगे हुए हैं स्वतंत्रता के पश्चात भारत में सन् 1951–52 के आम चुनाव में ही इस प्रकार के अध्ययन प्रारंभ हुए थे। रजनी कोठारी व माइनर विनर जैसे विद्वानों ने इसका शुभारंभ किया था तथा 1980 के दशक में इस अध्ययन को प्रणवराय तथा अशोक लाहिरी के विश्वासों ने इसे बढ़ावा दिया किंतु चुनाव अध्ययनों का निर्वात ढंग से 1990 के दशक से होता आ रहा है। इसका मुख्य कारण लगातार लोकसभा अथवा राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव में हो रही लगातार वृद्धि है भारत के चुनाव के व्यवहारों के अध्ययन का श्रेय शिक्षामित्र डॉक्टर योगेंद्र यादव को दिया जाता है जो कि भारत में सी0एस0डी0एस0 व लोकनीति के संस्थापक रहे हैं। सी0एस0डी0एस0 संस्था द्वारा देश के कई विश्वविद्यालय के विद्वानों ने चुनाव अध्ययन का प्रबंध किया था और किया जा रहा है 1998 के आम चुनाव में मैंने एक घटक के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद में कार्यशाला में भाग लिया था। मतदान व्यवहार राजनीतिक व्यवहार का स्वरूप है जिसके इस कर्क व परिस्थितियों का अध्ययन व विश्लेषण किया जाता है कि किस प्रकार मतदान की कौन से कारक जिसमें इस शोध पत्र में लिंग नृपजातियां कैसे प्रेरित व उदासीन करती हैं वास्तव में इस प्रकार के अध्ययन अर्थात चुनाव के अध्ययन के विषयों का अध्ययन **lQky,th** के अंतर्गत किया जाता है हम कह सकते हैं कि मतदान राजनीतिक व्यवहार का इस प्रकार है तथा मतदाताओं का व्यवहार इस कथन का विश्लेषण हो सकता है कि लोक नृत्य के निर्धारक पर निर्वाचन निर्वाचक मंडल किसी भी तरह का निर्णय अथवा फैसला कैसे हुआ क्यों लेते हैं। चुनाव अध्ययन करने के दंगों में मुख्ता सर्वेक्षण सम्मिलित है इन संरक्षण को **jk"Vh; puko lo{k.k** कहा जाता है चुनाव के पूर्व परि पाल अथवा पोस्टपोल पक्ष शोधकर्ता द्वारा चुनाव प्रभाव के कई पहलुओं को जानने हेतु सर्वेक्षण के अध्ययन से अध्ययनों के परमाणुओं के विभिन्न पुस्तकों लेखों तथा पत्रिकाओं में प्रकाशित किया जाता है।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in